ISSN -2393-8048, July-Decemeber 2014, Submitted in August 2014, iajesm2014@gmail.com

''बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के विवाह और धर्म के दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण के प्रभाव का अध्ययन''

नेकराम, शोद्यार्थी शिक्षा, टांट्या विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर
डॉ हरीश कंसलए प्राचार्यए सरस्वती शिक्षण सदन महिला शिक्षक प्रक्षिशण महाविद्यालयए श्री गंगानगर
Email : nekramangel@gmail.com

सारांश :–

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य ''बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के विवाह और धर्म के दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण के प्रभाव का अध्ययन'' करना है। ''बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के विवाह और धर्म के दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण के प्रभाव का अध्ययन'' करने के लिए विवाह के प्रति दृष्टिकोण की मापनी (स्वनिर्मित), धर्म के प्रति दृष्टिकोण की मापनी (स्वनिर्मित) एवं आर.एस.सिंह, ए.एन. त्रिपाठी, रामजीलाल (कुशीनगर) द्वारा तैयार आधुनिकीकरण की मापनी (मानकीकृत) का उपयोग किया गया है। परिणामों की गणना करने के लिए सांख्यिकी के रूप में **प्रोडेक्ट मूमेंट को–रिलेशन** का प्रयोग किया गया है।

तकनीकी शब्द – बी.एड. के. प्रशिक्षणार्थी, धर्म, विवाह और आधुनिकीकरण।

प्रस्तावना :–

आज समज के चारों ओर नैतिक सामाजिक, सांस्कृतिक तथा अध्यात्मिक मूल्यो मे गिरावट देखने को मिलती है। इस गिरावट के फलस्वरूप शिक्षा के क्षेत्र मे भी गिरावट देखने को मिलती है। आज समाज में सामान्य आदमी की धारणा है कि मेहनतकश व ईमानदार व्यक्ति पिस रहे हैं। झूठ व फरेब की रोजगार करने वाले फल–फूल रहे हैं।

सभी प्रकार के विचारिक लोग मूल्यों के तेजी से हो रहे ह्रास तथा उसके परिणाम रूवरूप सार्वजनिक जीवन मे व्याप्त प्रदूषण से बहुत विक्षुब्ध है कि सुसंगत तथा व्यवहार मूल्य प्रणाली को ऐसी प्रकियाओ के माध्यम से लागू किया जाए जो जीवन के प्रति तर्क संगत, वैज्ञानिक तथा नैतिक दृष्टिकोण पर आधारित है।

मानव के अपने पूर्व जन्म तथा वंशकुल माता–पिता आदि से ग्रहण किये हुए संस्कार उसके साथ अविच्छिन रूप से जुड़े रहते हैं। आज के युग में व्यक्ति के हर मूल्य पर आधुनिकीकरण का प्रथम पड़ा है। आज विवाह, धर्म, नैतिक मूल्य आदि को भी आधुनिकीकरण के प्रभावित किया है। पुराने समय में विवाह के मूल्यों का बहुत अधिक महत्व होता था। आज भी वैवाहिक मूल्यो का महत्व है, पर उतना नहीं है। आधुनिकीकरण ने वैवाहिक जीवन को बहुत अधिक प्रभावित किया है। आज विवाह यौन संतुष्टि का ही एक भाग बन गया है। विवाह परिवार की आधार शिक्षा माना जाता था, पर आज परिवार विच्छेद हो जाता है।

इसी प्रकार धार्मिक मूल्यों पर भी आधुनिकीकरण का अधिक प्रभाव पड़ा है। धर्म को आज का युग प्रभावित करता है। धर्म आज पैसा कमाने का एक जरिया बन गया है। हर कोई धर्म के नाम पर मजाक कर रहा है। धर्म के नाम पर आज जनता को डराया जा रहा है। आज के छात्र धर्म से कोसों दूर है, उनके पास धर्म के युग में हर व्यक्ति ही नहीं है। आधुनिकीकरण के युग मे हर व्यक्ति इतना व्यस्त है कि उसके पास व्यक्ति, समाज, परिवार आदि के लिए समय ही नहीं। हर इंसान सिर्फ अपने लिए ही कमाता है। इससे स्पष्ट है कि आधुनिकीकरण ने विवाह,धर्म, नैतिक मूल्य आदि को प्रभावित किया है।

शोध की आवश्यकता एवं महत्व :–

वर्तमान समय में भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर है और वर्तमान समय में जटिलताएं एवं विकृतियाँ बढ़ती जा रही है। जिससे सामान्य जनजीवन में उच्चादर्श धुमिल पड़ते जा रहे है। कुविचारों और दुर्भावनाओं के कारण मानव मूल्यों का प्रायः ह्मास सा हो गया है। हमारी प्राचीन परम्पराएं जो हमारे जीवन की नीव थी, जिसके कारण भारतवर्ष विश्वगुरू माना जाता था, उन्ही आदर्शो मूल्यों एवं संस्कृति और नैतिकता की परिभाषा, विपरीत दिशा में चलायमान है। आज मानव मूल्य एवं सामाजिक दायित्व का बोध दिनों–दिन क्षीण होता जा रहा है। प्रत्येक स्वार्थ लोलुप, स्वकेन्द्रित, संहारक एवं विघटनकारी प्रवृतियों का बोलवाला है। मानव प्रेम आस्था एवं विश्वास के अभाव में लुप्त होता जा रहा है। इसी के अभाव में आज देश में चारों और अराजकता, भ्रष्टाचार, एवं हिसा भी हुई है। इन सब सामाजिक दुर्गुणों के उन्मूलन हेतु मूल्य परक शिक्षा की आवश्यकता है।

राजस्थान के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मूल्य परक शिक्षा (नैतिक, धार्मिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदि) के कालांश का प्रावधान है, परन्तु इसकी सही क्रियान्वित नहीं हो पा रही है। इसका प्रथम कारण तो यह है कि शिक्षक ही इसमें रूचि नहीं लेते है और यदि रूचि लेते है तो केवल पुस्तकीय ज्ञान दे देना ही अपनी जिम्मेदारी समझते है।

बालकों में अपने माता–पिता और गुरू के प्रति श्रद्धा एवं भक्ति के भाव पैदा करना, ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास जागृत करना, जिससे बालक स्वयं पर नियत्रण कर सकेगें। प्रत्येक कार्य में निस्ण एवं रूचि पैदा करना विभिन्न मानवीय मूल्यों सत्य, अहिंसा, कर्त्तव्य, दया, देशप्रेम, धैर्य, सहिष्णुता, प्रेम, आदि का पाठ प्रारम्भ कर हमारे विद्यालयों में अनिवार्य रूप से पढाया जा रहा है जो देश के लिए एक महान् उपलब्धि होगी बालकों में देशप्रेम, राष्ट्रप्रेम व विश्व–बंधुन्त्व दृढ़ता एवं ब्रह्मचर्य की भावना रखते हुए परिश्रमी एवं निष्ठावान सुनागरिक के रूप में राष्ट्र को मिलेगा।

समस्या कथन :–

प्रस्तुत शोध का समस्या कथन निम्न प्रकार से है –

''बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के विवाह और धर्म के दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का प्रभाव का अध्ययन।''

प्रस्तुत शोध के उद्देश्य :–

शोधकर्त्ता ने अपने शोध में निम्नलिखित उद्देश्य सम्मिलित निर्धारित किए हैं –

1. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के विवाह के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के धर्म के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

प्रस्तुत शोध की परिकल्पनाएँ :–

शोधकर्त्ता ने अपने शोध में निम्नलिखित परिकल्पनाएँ निर्धारित की हैं :–

1. बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के विवाह प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का सार्थक प्रभाव पड़ता है।
2. बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के धर्म के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

शोध में प्रयुक्त विधि :–

प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्ता द्वारा **सर्वेक्षण विधि** का प्रयोग किया गया है।

शोध में प्रयुक्त न्यादर्श :–

1. प्रस्तुत शोध में श्रीगंगानगर जिले के बी.एड. महाविद्यालयों के 100 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया है।
2. प्रस्तुत शोध में बी.एड. महाविद्यालयों के 50 छात्राध्यापकों एवं 50 छात्राध्यापिकाओं का चयन किया गया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण :–

प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्ता ने तथ्यों के संकलन हेतु निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया है :–

1. **विवाह के प्रति दृष्टिकोण की मापनी (स्वनिर्मित)।**
2. **धर्म के प्रति दृष्टिकोण की मापनी (स्वनिर्मित)।**
3. **आर.एस.सिंह, ए.एन. त्रिपाठी, रामजीलाल (कुशीनगर) द्वारा तैयार आधुनिकीकरण की मापनी (मानकीकृत)।**

(1) विवाह के प्रति दृष्टिकोण की मापनी (स्वनिर्मित) :–

इस मापनी में 25 प्रश्न है, जिसका उद्देश्य बी.एड छात्राध्यापिकाओं और छात्रों पर विवाह के बारे मे आधुनिकीकरण के प्रभाव को ज्ञात करना है।

इस परीक्षण पत्र के निर्माण हेतु कुल 30 प्रश्नों का निर्माण किया गया, जिसमें से फिर विषय विशेषज्ञों की राय व छात्रों पर प्रशासन के पश्चात् 25 प्रश्नों के जाँच विकल्प दिए गए है। इनमें से छात्रों को किसी एक पक्ष पर सही का निशान लगाकर अपना मत प्रदान करना है।

(2) धर्म के प्रति दृष्टिकोण की मापनी (स्वनिर्मित) :–

इस मापनी में 27 प्रश्न है, जिसका उद्देश्य बी.एड प्रशिक्षणार्थियों पर धर्म के बारे मे आधुनिकीकरण के प्रभाव को ज्ञात करना है।

इस परीक्षण पत्र के निर्माण हेतु कुल 40 प्रश्नों का निर्माण किया गया, जिसमें से फिर विषय विशेषज्ञों की राय व छात्रों पर प्रशासन के पश्चात् 27 प्रश्नों के जाँच विकल्प दिए गए है। इनमें से प्रशिक्षणार्थियों को किसी एक पक्ष पर सही का निशान लगाकर अपना मत प्रदान करना है।

(3) आर.एस.सिंह, ए.एन. त्रिपाठी, रामजीलाल (कुशीनगर) द्वारा तैयार आधुनिकीकरण की मापनी (मानकीकृत) :–

इस परीक्षा में 27 कथन है, जिसमें 5 अनुक्रियाएँ हैं – पूर्ण सहमत, सहमत, अनिश्चित, असहमत एवं पूर्णतः सहमत।

इसमें सकारात्मक प्रश्नों के 1 से 5 व नकारात्मक प्रश्नों को 5 से 1 अंक प्रदान किया गया है। इसमें प्रश्न संख्या 2,5,6,13,22,24,25,26 नकारात्मक है एवं शेष सभी प्रश्न सकारात्मक है।

शोध में प्रयुक्त साँख्यिकी :–

1. प्रोडेक्ट मूमेंट को–रिलेशन।

तथ्यों का विष्लेषण :–

सारणी संख्या 1

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के विवाह के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण के प्रभाव को दर्शाती सारणी

क्रं. सं.	चर	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	सह–सम्बन्ध का मान	सह–सम्बन्ध का स्तर	परिणाम
1.	विवाह	100	0.68	उच्च स्तर	स्वीकृत
2.	आधुनिकीकरण				

व्याख्या :–

उपरोक्त सारणी के द्वारा बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के विवाह के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण के सहसम्बंध के प्रभाव के आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी का अवलोकन करने से स्पष्ट होता है कि 100

प्रशिक्षणार्थियों के विवाह के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का मान 0.68 प्राप्त हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों के विवाह के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का उच्च स्तर का सकारात्मक सह–सम्बन्ध पाया गया है।

सारणी संख्या 2

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के धर्म के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण के प्रभाव को दर्शाती सारणी

क्र. सं.	चर	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	सह–सम्बन्ध का मान	सह–सम्बन्ध का स्तर	परिणाम
1.	धर्म	100	0.64	उच्च स्तर	स्वीकृत
2.	आधुनिकीकरण				

व्याख्या :–

उपरोक्त सारणी के द्वारा बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के धर्म के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण के सहसम्बंध के प्रभाव के आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सारणी का अवलोकन करने से स्पष्ट होता है कि 100 प्रशिक्षणार्थियों के धर्म के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का मान 0.64 प्राप्त हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के धर्म के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का उच्च स्तर का सकारात्मक सह–सम्बन्ध पाया गया है।

शोध निष्कर्ष :–

प्रस्तुत शोध के निष्कर्ष निम्नानुसार प्रस्तुत किये जा रहे हैं :–

परिकल्पना 1 :–

''बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के विवाह प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का सार्थक प्रभाव पड़ता है।''

निष्कर्ष :–

प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकलता है कि बी.एड के प्रशिक्षणार्थियों के विवाह के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का सार्थक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि आज के वैज्ञानिक व आधुनिक युग ने व्यक्ति की हर प्रकार की सोच को प्रभावित किया है, जिसमें विवाह भी आता है।

परिकल्पना 2 :–

''बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के धर्म के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का सार्थक प्रभाव पड़ता है।''

निष्कर्ष :–

प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकलता है कि बी.एड के प्रशिक्षणार्थियों के धर्म के प्रति दृष्टिकोण पर आधुनिकीकरण का सार्थक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि आज के वैज्ञानिक व आधुनिक युग ने व्यक्ति की हर प्रकार की सोच को प्रभावित किया है, जिसमें धर्म भी सम्मिलित है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. अस्थाना, डॉ. विपिन एवं अस्थाना, श्वेता (2007) : ''मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन व मूल्यांकन'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
2. सिंह, डॉ. रामपाल (2009) : ''शैक्षिक अनुसंधान एवं साँख्यिकी'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
3. अस्थाना, डॉ. विपिन (2008) : ''शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी'', अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा–2
4. सरीन, डॉ. शशिकला (2007) : ''शैक्षिक अनुसंधान विधियाँ'', अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा–2
5. माथुर, डॉ. एस.एस. (2010) : ''शिक्षा मनोविज्ञान'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. सुलेमान, डॉ. मुहम्मद (2009) : ''उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान'', मोतीलाल बनारसीदास, आगरा

– – – – – – – –

SHRADHA EDUCATIONAL ACADEMY